



Literacy for a Billion

Movie: Aaye Din Bahar Ke

Year: 1966

Song: Suno Sajana

Lyricist: Anand Bakshi

ओ ...

आ ...

सुनो सजना

पपीहे ने

सुनो सजना

पपीहे ने

कहा सबसे

पुकार के

सँभल जाओ

चमन वालों

सँभल जाओ

चमन वालों

कि आए दिन

बहार के

सुनो सजना

सुनो सजना

फूलों की डालियाँ भी

यही गीत गा रहीं हैं

घड़ियाँ पिया मिलन की

नज़दीक आ रहीं हैं

नज़दीक आ रहीं हैं

हवाओं ने जो छेड़े हैं

हवाओं ने जो छेड़े हैं

फसाने हैं वो प्यार के

सँभल जाओ

चमन वालों

कि आए दिन

बहार के

सुनो सजना

सुनो सजना

देखो न ऐसे देखो

मरज़ी है क्या तुम्हारी

बेचैन कर न देना

तुमको क़सम हमारी

तुमको क़सम हमारी

हमीं दुश्मन ना बन जाँँ

हमीं दुश्मन ना बन जाँँ

कहीं अपने क़रार के

सँभल जाओ

चमन वालों

कि आए दिन

बहार के

सुनो सजना

सुनो सजना

बाग़ों में पड़ गए हैं

सावन के मस्त झूले

ऐसा समौं जो देखा

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

राही भी राह भूले  
राही भी राह भूले

कि जी चाहा यहीं रख दें  
कि जी चाहा यहीं रख दें  
उमर सारी गुज़ार के

सँभल जाओ  
चमन वालों  
कि आए दिन  
बहार के  
सुनो सजना  
सुनो सजना

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*